अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) | दिनांक 19.12.2013

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 15

आचार्य रायचन्दजी (किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य रायचन्दजी ने तम्बाकू सूंघने की प्रवृत्ति को संघ से समाप्त करने हेतु कौन सा नियम बनाया?

(ख) ऋषिरायजी कब और कहाँ आचार्य पद पर विराजमान हुए?

(ग) आचार्य रायचन्दजी ने आचार्य काल में सर्वाधिक चातुर्मास कहाँ और कितने किये?

(घ) ऋषिरायजी ने मालव–यात्रा कब की तथा वे उस समय कितने वर्ष के थे?

(ङ) ऋषिरायजी किसके निवेदन पर मुनिश्री हेमराजजी के सामने नहीं पधारे?

(च) चातुर्मास में रात्रिकालीन व्याख्यान में मुनि रायचंदजी किसका वाचन करते थे?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) मुनि सरूपचन्दजी को अग्रणी बनाकर पृथक विहार करवाने हेतु आचार्यश्री भारमलजी ने क्या किया?

(ज) मुनि जीतमलजी ने पाली में विगय परिहार क्यों किया तथा वह कब तक रहा?

(झ) जीतमलजी की सगाई किस गाँव में हुई थी?

(ञ) जयाचार्य ने मुनि मघवा को कितने वर्षों तक बारी करने का संकल्प करवाया?

(ट) 'प्रत्यक्षे गुरवः स्तुत्याः, परोक्षे मित्र बान्धवाः' इस नीति वाक्य का क्या अर्थ है?

(ठ) जयाचार्य ने विनोद युक्त कविता किस सन्त को लक्ष्य कर लिखी?

(ड़) जयाचार्य के नेत्रों की शल्य चिकित्सा किसने किसकी देखरेख में की?

(ढ़) 'पक्का पेटिया' किसे कहते हैं?

(ण) ध्यानसाधना पर जयाचार्य की कितनी व कौन–कौन सी कृतियाँ हैं?

(त) जयाचार्य के स्मारक का प्रथम चमत्कार क्या था?

(थ) जयाचार्य की नाड़ी देखकर आजीवन अनशन कराने की प्रार्थना किसने की?

(द) चरम महोत्सव के उपलक्ष्य में जयाचार्य ने कितनी ढालों की रचना की थी?

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 10

आचार्य रायचंद जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) बालमुनि रायचन्दजी की बात सुनकर अन्तिम दिनों में स्वामी भीखणजी ने युवाचार्य भारीमलजी से क्या कहा?

(ख) ''आपने रायचंदजी को युवाचार्य कैसे बना दिया? चितौड़ निवासी हंसराजजी संचेती के इस प्रश्न का आचार्य भारमलजी ने क्या जवाब दिया?

(ग) ऋषिरायजी के शासन काल में कितने साधु–साध्वियों की दीक्षा हुई तथा वे दिवंगत हुए उस समय कितने विद्यमान थे।

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) उदयपुर के महाराणा सरूपसिंहजी ने जयाचार्य से कौन सी चार बातें निवेदित करवायी?

(ड.) 'सुख–मन्दिर' की ढाल की रचना कब, क्यों और कहाँ हुई?

(च) जयाचार्य ने कितने जीवन वृत्तों की रचना की? कोई चार के नाम का उल्लेख करें।

(छ) जयाचार्य के दाह संस्कार के समय किन–किन व्यक्तियों का सहयोग रहा?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) सिद्ध करें कि ऋषिरायजी साधना में बड़े सावधान व्यक्ति थे।

(ख) सिद्ध करें कि थली में तेरापंथ के प्रचार का सघन प्रयास ऋषिरायजी के पदार्पण से हुआ।

(ग) 'साध्वियों पर संकट' घटना प्रसंग को लिखें।

प्र.4 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 5

(क) 'गण–विशुद्धिकरण हाजरी' पर टिप्पणी लिखें।

(ख) ''पट्टोत्सव'' पर टिप्पणी लिखें।

(ग) सिद्ध करें कि मुनि जीतमलजी ने ग्रन्थ–संग्रह द्वारा तेरापंथ में साहित्य–संपदा के उत्पादन का एक अजस्र स्रोत प्रवाहित किया।

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। 30

(क) दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें कि जयाचार्य एक कुशल प्रशासक थे।

(ख) ''जयाचार्य की प्रतिबोधक शक्ति अनन्य थी'' इस कथन को उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।

(ग) सिद्ध करें कि जयाचार्य एक कुशल आगम व्याख्याकार थे।

(घ) जयाचार्य के जीवन के संध्या काल पर विस्तार से प्रकाश डालें।

तेरापंथ–प्रबोध – 30

प्र.6 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) आगम परम्परा.....पार हो।।

(ख) ''सन्तां! शासण ओ स्वामीजी रो'' गीत वाला पद्य।

(ग) ''निशदिन ध्याऊं मोद मनाऊं'' गीत वाला पद्य।

(घ) महाप्रज्ञ सा.....साझीदार हो।।

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) सावण सुद.....अप्रतिकार हो।। (ख) पोढ़ायां नै.....त्यार हो।।

(ग) घोर विरोधी.....जोरदार हो।। (घ) आषाढ़ी पूनम.....सरस में।।

(ङ) सातम आठम.....उद्‌गार हो।

प्र.8 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) ''बादलियो आंखड़ल्यां में बरस्यो'' गीत वाला पद्य।

(ख) तेरा मां स्यूं.....विस्तार हो।। (ग) मरुधर स्यूं.....निस्तार हो।

(घ) धूप–दीप फल.....आकार हो।। (ड.)''म्हानै घणो सुहावैजी'' गीत वाला पद्य।